(a) कथन सही है और कारण भी सही है
(b) कथन गलत है परन्तु कारण सही है
(c) कथन सही है परन्तु कारण गलत है
(d) कथन गलत है और कारण भी गलत है

उत्तर - (a) **RPSC RAS/RTS-1992**

व्याख्या-राजस्थान में जस्ता उदयपुर के दक्षिण-पूर्व में स्थित जावर की खानों से प्राप्त होता है। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड द्वारा राजस्थान का दूसरा जस्ता शोधन संयंत्र चित्तौड़गढ़ के चन्देरिया में स्थापित किया जा रहा है। इस संयंत्र में चित्तौड़गढ़ जिले में स्थित 70 हजार टन जस्ते एवं 35 हजार टन सीसे का शोधन होगा।

2076.राजस्थान में केन्द्रीय सरकार द्वारा परिचालित कारखाना है–
(a) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर
(b) साल्ट वर्क्स, डीडवाना
(c) गंगानगर शुगर मिल्स, गंगानगर
(d) अरावल स्वचालित वाहन लिमिटेड, अवलर

उत्तर–(a) RPSC RAS/RTS-1993

व्याख्या–राजस्थान में केन्द्रीय सरकार द्वारा परिचालित (केन्द्रीय प्रतिष्ठान) 7 प्रमुख कारखाने हैं जैसे–(i) हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड, उदयपुर, (ii) हिन्दुस्तान कॉपर लिमिटेड, खेतड़ी, (iii) एच.एम.टी. अजमेर, (iv) इनस्ट्रूमेन्टेशन लिमिटेड, कोटा (v) सांभर साल्ट्स लिमिटेड, जयपुर, (vi) मार्डन फूड इण्डस्ट्रीज लिमिटेड, जयपुर, (vii) राजस्थान इलेक्ट्रॉनिक्स व इन्स्ट्रूमेन्ट्स लिमिटेड कनकपुरा।

2077.निम्नांकित में से कौन-सा जोड़ा सुमेलित है?
(a) बादला (पानी का बोतल) - जयपुर
(b) मैसूरिया साड़ी - कोटा
(c) नमदा - जोधपुर
(d) संगमरमर का नक्काशी - टोंक

उत्तर - (b) RPSC RAS/RTS-1993
RPSC/RAS- 2008

व्याख्या–बनारसी और कांजीवरम साड़ियों के बाद कोटा की कोटा डोरिया साड़ियों का विशेष महत्व हैं। इस साड़ी के लिए धागा मैसूर से आता है इसलिए इसे मैसूरिया साड़ी भी कहा जाता है।

2078.सरकारी तन्त्र में संचालित शक्कर का कारखाना स्थित है–
(a) उदयपुर में **(b)** श्रीगंगानगर में
(c) भोपाल सागर में **(d)** केशोरायपाटन में

उत्तर - **(d)**

RPSC RAS/RTS-1999-2000
RPSC RAS/RTS-1993
RPSC RAS/RTS 1944-95

व्याख्या—राजस्थान में गन्ना मुख्यतया श्रीगंगानगर, चित्तौड़गढ़, कोटा, बूंदी, उदयपुर, भरतपुर, सवाईमाधोपुर व धौलपुर जिलों में उगाया जाता है। केशोरायपाटन (बूंदी जिला) में सरकारी तंत्र से संचालित शक्कर कारखाना स्थित है।

2079.सहकारी शीत भण्डार वाले दो जिले हैं –
(a) अजमेर – जोधपुर
(b) जयपुर – अलवर
(c) कोटा – भरतपुर
(d) ब्यावर – भीलवाड़ा

उत्तर - (b)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या— किसानों के अनाज सुरक्षित रखने की दृष्टि से सहकारिता के अन्तर्गत जयपुर तथा अलवर जिलों में शीत भण्डार स्थापित किया गया।

2080.**राजस्थान में भूरी क्रान्ति का सम्बन्ध है–**
(a) खाद्यान्न प्रसंस्करण
(b) भैस दूध उत्पादन
(c) ऊन उत्पादन
(d) बकरी के वालों का उत्पादन

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या—राजस्थान सरकार द्वारा खाद्यान्न प्रसंस्करण उद्योग के विकास को जनान्दोलन का रूप देने हेतु 'भूरी क्रान्ति' (Brown Revolution) नामक योजना संचालित की जा रही है। दुग्ध उत्पादन में वृद्धि हेतु राष्ट्रीय स्तर पर 'श्वेतक्रांति' या 'ऑपरेशन फ्लड' कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

2081.**राजस्थान में प्रस्तावित निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक उद्यान को निम्न की सहायता से स्थापित किया जायेगा–**
(a) जापान (b) विश्व बैंक
(c) भारत सरकार (d) अन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण

उत्तर - (c)

RPSC RAS/RTS 1996

व्याख्या—राजस्थान में निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क की स्थापना सीतापुरा (जयपुर) में की गई है। यह देश का प्रथम निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क है। केन्द्र सरकार सीतापुरा के इस पार्क की उन्नति से सन्तुष्ट होते हुए टपकूड़ा, भिवाड़ी (अलवर) में दूसरे निर्यात संवर्द्धन औद्योगिक पार्क की स्थापना की स्वीकृति दे चुकी है।

2082.औद्योगिक श्रमिकों के लिए सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक बनाने के लिए सम्मिलित राजस्थान के दो शहर हैं–
(a) कोटा एवं जयपुर (b) कोटा एवं ब्यावर
(c) जयपुर एवं अजमेर (d) जयपुर एवं जोधपुर

उत्तर - (a)

RPSC RAS/RTS 1997-98

व्याख्या—उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर औद्योगिक शहरों में बाजार मूल्य पर मजदूरों की मंहगाई भत्ते में वृद्धि होती है। राजस्थान में कोटा एवं जयपुर, उद्योगों के मजदूरों को वस्तुओं के बाजार मूल्य पर उपलब्धता के आधार पर औद्योगिक मूल्य सूचकांक निर्धारित किया जाता है।

2083.**राजस्थान में उद्यम प्रोत्साहन संस्थान की स्थापना की गई है–**
(a) औद्योगिक उत्पादों के विपणन में सहायता हेतु
(b) रुग्ण औद्योगिक इकाइयों को वित्त प्रदान करने हेतु
(c) नए उद्योगपतियों के प्रोत्साहन हेतु
(d) नए साहसियों को प्रशिक्षण देने हेतु

उत्तर - (d)

RPSC RAS/RTS 1997-98

व्याख्या—राजस्थान सरकार ने राज्य में औद्योगिक प्रोत्साहन के लिए राज्य वित्त निगम, औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम और राजस्थान लघु उद्योग निगम इत्यादि स्थापित किया है। ये निगम विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के लिए कार्य करते हैं। राज्य में औद्योगिक उत्पादों के विपणन में सहायता हेतु 'उद्यम प्रोत्साहन संस्थान' (यू0पी0एस0) का गठन किया गया है।